Total No. of Questions - 7] [Total Pages : 3

(2062)

9834

M.A. Examination

SANSKRIT

(नाटक तथा नाट्यशास्त्र)

Paper–XV

(Semester-IV)

Time : Three Hours] [Max. Marks : { Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : सभी प्रश्नों का समाधान करें।

1. मृच्छकटिककालीन सामाजिक दशा का निरुपण कीजिए।

अथवा

मृच्छकटिकम् शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। 10(12½)

2. मृच्छकटिकम् के तृतीय **अथवा** पंचम अङ्क का सारांश लिखिए। 10(12½)

3. सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

सुखं हि दुःखान्यनुभूयशोभते घनान्धकारेण्विव दीपदर्शनम्।
सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रतां धृतः शरीरेण मृतः सजीवति।।

10(12½)

अथवा

गुणप्रवालं विनयप्रशाखं विस्रम्भमूलं महनीयपुष्पम्।
तं साधुवृक्षं स्वगुणैः फलाढ्यं सुहृद्विहङ्गाः सुखमाश्रयन्ति।।

4. वसन्तसेना **अथवा** मदनिका का चरित्र-चित्रण कीजिए। 10(12½)

5. मृच्छकटिकम् के रचनाकाल का तर्कसंगत विवेचन कीजिए।

10(12½)

अथवा

सन्दर्भ-प्रसंग सहित निम्नलिखित पद्य की व्याख्या कीजिए :

आलाने गृह्यते हस्ती वाजी वल्गासु गृह्यते।

हृदये गृह्यते नारी यदिदं नास्ति गम्यताम्।।

6. साहित्यदर्पणकार आचार्य विश्वनाथ के स्थितिकाल का तर्क सहित निरूपण कीजिए। 10(12½)

अथवा

साहित्यदर्पण के षष्ठ परिच्छेद के आधार पर नाट्यवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्रकरण-लक्षण।

(ख) पताकास्थानक।

(ग) सात्वती वृत्ति।

(घ) पञ्चअर्थप्रकृतियाँ। 20(25)